Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 23-03-2005
Participants : Rathod Shri Harisingh Nasaru,Athawale Shri Ramdas

Title: Inaccuracies in the percentage of the Scheduled Castes population as per 1991-2001 census in Maharashtra and other parts of the country.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल) : अध्यक्ष महोदय, 2001 की सेंसस रिपोर्ट में बहुत बड़ी धांधली हुई है। महाराट्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 6 परसेंट कम हो गई है। यह बहुत सीरियस मामला है। अभी ग्राम पंचायत के इलैक्शन वहां होने हैं। लास्ट 1991 की जो सेंसस रिपोर्ट आई थी, इसके कारण हजारों सरपंच की पोस्टें कम हो गईं हैं। हमने देखा है कि यह क्यों हुआ। यहां डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के अनुयायी जो नवबौद्ध कहलाते हैं, जब उनको पूछा गया कि आपकी क्या जाति है, आपकी कौन सी कास्ट है तो उन्होंने बताया कि हम नवबौद्ध हैं। नवबौद्ध जैसी कोई कास्ट अपनी सेंसस में नहीं है। माननीय श्री वी.पी. सिंह सरकार ने यह किया था कि जितने भी नवबौद्ध थे, उनको एस.सी. का दर्जा दिया था। इतनी बड़ी धांधली महाराट्र में अभी देखी गई है। पहले बौद्ध समाज का जनसंख्या परसेंटेज 0.1 था, लेकिन अभी बौद्ध समाज को ये 6 परसेंट बता रहे हैं। यह बहुत बड़ी धांधली सेंसस में हुई है। एस.सी. समाज के ऊपर यह घोर कांस्टीट्यूशनल सवाल खड़ा हो गया है।

मेरा सरकार से निवेदन है कि मैं आठवले जी के बिहाफ पर यह बात कर रहा हूं कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और जल्दी से जल्दी इलैक्शन के पहले महाराट्र में जो ग्राम पंचायत के इलैक्शन होने हैं, उसके पहले इसका फैसला होना चाहिए। धन्य वाद।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।